गोपनीय
शीर्ष प्राथमिकता/समयबद्ध
संख्या–88/अड़सठ–3–2021

प्रेषक,

आर0पी0 सिंह,
विशेष सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

सचिव,
परीक्षा नियामक प्राधिकारी,
उ0प्र0 प्रयागराज।

बेसिक शिक्षा अनुभाग–3 लखनऊः दिनांकः 10 फरवरी, 2021

विषय–प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक के रिक्त पदों पर चयन हेतु भर्ती परीक्षा आयोजित कराये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक–गोप0/जूनि0भ0प0/9325–29/2020–21, दिनाक–22.01.2021 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त जू0हा0स्कूलों में प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक के रिक्त पदों पर चयन हेतु भर्ती परीक्षा आयोजित कराये जाने के सम्बन्ध में कतिपय बिन्दुओं पर पुनः मार्गदर्शन मांगा गया है, जिसके क्रम में भर्ती परीक्षा आयोजित कराये जाने की कार्यवाही के संबंध में बिन्दुवार निम्नवत निर्देश हैः–

(1) बिन्दु संख्या–1 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (जूनियर हाई स्कूल) (अध्यापकों की भर्ती और सेवा की शर्तें) नियमावली, 1978 के नियम–4 में मान्यता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल में सहायक अध्यापक के पद पर भर्ती हेतु न्यूनतम अर्हताओं का उल्लेख है, जिसमें सहायक अध्यापक के पद पर भर्ती हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक निर्धारित किया गया है। अतः सहायक अध्यापक के पद पर भर्ती हेतु परीक्षा का स्तर स्नातक रखा जाय।

(2) बिन्दु संख्या–2 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में जूनियर हाई स्कूल हेतु निर्धारित मान्य एवं मानकों के अनुसार जूनियर हाई स्कूलों में भाषा, विज्ञान, गणित एवं सामाजिक विषय के अध्यापकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने का उल्लेख है। अतः सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल में सहायक अध्यापक के पद पर चयन हेतु भाषा, विज्ञान, गणित एवं सामाजिक विषय हेतु परीक्षा आयोजित करायी जाय। इस हेतु भाषा, विज्ञान, गणित एवं सामाजिक विषय हेतु स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम के आधार पर स्नातक स्तरीय परीक्षा आयोजित करायी जाय। सामान्य ज्ञान का प्रथम प्रश्नपत्र सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होगा। भाषा, सामान्य अध्ययन तथा विज्ञान एवं गणित में किसी एक खण्ड का अभ्यर्थी को चयन करना है। भाषा में संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी में किसी एक का चयन करना है। प्रथम प्रश्नपत्र में 50 प्रश्न सामान्य ज्ञान के होंगे और द्वितीय प्रश्नपत्र में 100 प्रश्न सम्बन्धित विषय से होंगे।

(3) बिन्दु संख्या–3 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (जूनियर हाई स्कूल) (अध्यापकों की भर्ती और सेवा की शर्तें) नियमावली, 1978 में प्रधानाध्यापक के पद पर चयन हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक के साथ–साथ अध्यापक के रूप में 05 वर्षों का शिक्षण अनुभव प्राविधानित किया गया है। प्रधानाध्यापक के पद पर चयन हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक के साथ–साथ अध्यापक के रूप में 05 वर्षों का शिक्षण अनुभव अनिवार्य है। प्रधानाध्यापक के पद पर चयन हेतु अर्हता का परीक्षण स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम के आधार पर सामान्य प्रशासनिक क्षमता एंव अन्य विषयों के ज्ञान पर आधारित प्रश्नपत्र का निर्माण किया जाए एवं एक प्रश्नपत्र शिक्षा विभाग से सम्बन्धित विभिन्न अधिनियमों, नियमों, शासनादेशों,

शिक्षा विभाग से सम्बन्धित गठित विभिन्न आयोगो/ समितियों एवं उनकी संस्तुतियों, शिक्षा नीतियों के सम्बन्ध में उनकी विभागीय कार्यक्रमों तथा योजनाओं सम्बन्धी का परीक्षण करने हेतु निर्धारित कर दिया जाए, जिससे अभ्यर्थी की शिक्षा विभाग के सम्बन्ध में सामान्य समझ एवं जानकारियों का आकलन किया जा सके।

(4) बिन्दु संख्या–4, 5 व 6 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल में चयन की कार्यवाही उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (जूनियर हाई स्कूल) (अध्यापकों की भर्ती एवं सेवा की शर्तें) नियमावली, 1978 के प्राविधानों के अनुरूप की जाती है। इसलिए प्रश्नगत चयन की कार्यवाही उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (जूनियर हाई स्कूल) (अध्यापकों की भर्ती और सेवा की शर्तें) नियमावली, 1978 (अद्यतन संशोधित) में प्राविधानित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हताओं के आधार पर किया जाय।

(5) बिन्दु संख्या–7 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (जूनियर हाई स्कूल) (अध्यापकों की भर्ती एंव सेवा की शर्तें) नियमावली, 1978 के अन्तर्गत असहायिक मान्यता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल एवं सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल दोनो प्रकार के विद्यालयों में चयन किये जाने का प्राविधान किया गया है। प्रश्नगत भर्ती परीक्षा के द्वारा सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल में सहायक अध्यापक एवं प्रधानाध्यापक के पदों पर चयन किया जाना है, जोकि निदेशालय स्तर से किया जायेगा। अतः जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के स्तर से अनुमति दिये जाने का औचित्य नही है। असहायिक मान्यता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल में यदि सहायक अध्यापक या प्रधानाध्यापक के पद पर चयन किया जाना होगा, की स्थिति में चयन हेतु विज्ञापन की अनुमति जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के स्तर से दिया जायेगा।

(6) बिन्दु संख्या–8 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि भर्ती परीक्षा का आयोजन प्राथमिकता के आधार पर पहले करा लिया जाए, तत्पश्चात् टी0ई0टी0 परीक्षा 2020 का आयोजन किया जाए।

2– <u>भर्ती परीक्षा हेतु निम्नवत् पाठ्यक्रम निर्धारित किया जाता है:–</u>

1. सामान्य ज्ञान/समसामयिक घटनाएँ/तार्किक ज्ञान
   - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ।
   - भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन।
   - भारत का भूगोल।
   - भारतीय राजनीति एवं शासन– संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति, आधिकारिक प्रकरण आदि।
   - आर्थिक और सामाजिक विकास– सतत विकास, गरीबी अन्तर्विष्ट जनसांख्यिकीय, सामाजिक क्षेत्र के इनिशियेटिव आदि।
   - पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी सम्बन्धी सामान्य विषय, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन।
   - सामान्य विज्ञान।
   - Analogies, assertion and reason, binary logic, classification, clocks and calendars, coded inequalities coding-decoding.

<u>प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक हेतु</u>

<u>खण्ड 'क'</u>

2. हिन्दी
   - हिन्दी साहित्य एवं भाषा का इतिहास।
   - व्याकरण।
   - अपठित गद्यांश तथा पद्यांश।
   - प्रमुख लेखकों/कवियों का सामान्य परिचय एक उनकी रचनाएँ।
3. English
   - History of English Literature and Language.

- Grammar.
- Unseen Passage.
- Writers, general introduction and their work.

4. संस्कृत
   - संस्कृत भाषा एवं साहित्य के इतिहास की जानकारी।
   - व्याकरण।
   - अपठित गद्यांश/पद्यांश।
   - प्रमुख लेखकों/कवियों का सामान्य परिचय एक उनकी कृतियाँ।

खण्ड 'ख'

5. सामाजिक अध्ययन
   - इतिहास जानने के सोत।
   - पाषाणकालीन संस्कृति, ताम्र पाषाणिक संस्कृति, वैदिक संस्कृति।
   - छठी शताब्दी ई०पू० का भारत।
   - भारत के प्रारम्भिक राज्य।
   - भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना।
   - मौर्योत्तरकालीन भारत, गुप्तकाल, राजपूत कालीन भारत, पुष्यभूति वंश, दक्षिण भारत के राज्य।
   - छठी शताब्दी का धार्मिक तथा सामाजित विकास।
   - इस्लाम का भारत में आगमन, दिल्ली सल्तनत की स्थापना, विस्तार, विघटन।
   - मुगल साम्राज्य, संस्कृति, पतन।
   - यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन एवं अंग्रेजी राज्य की स्थापना।
   - भारत में कम्पनी राज्य का विस्तार।
   - भारत में नवजागरण, भारत में राष्ट्रवाद का उदय।
   - स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्रता प्राप्ति, भारत विभाजन।
   - स्वतंत्र भारत की चुनौतियाँ।
   - हम और हमारा समाज।
   - ग्रामीण एवं नगरीय समाज व रहन-सहन, ग्रामीण एवं नगरीय स्वशासन।
   - जिला प्रशासन।
   - हमारा संविधान, केन्द्रीय व राज्य शासन व्यवस्था।
   - भारत में लोकतंत्र।
   - देश की सुरक्षा एवं विदेश नीति, वैश्यिक समुदाय एवं भारत।
   - नागरिक सुरक्षा, यातायात सुरक्षा।
   - दिव्यांगता।
   - सौरमण्डल में पृथ्वी, ग्लोब-पृथ्वी पर स्थानों का निर्धारण, पृथ्वी की गतियाँ।
   - मानचित्रण, पृथ्वी के चार परिमण्डल, स्थल मण्डल-पृथ्वी की संरचना, पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप।
   - विश्व में भारत, भारत का भौतिक स्वरूप, मृदा, उर्वरक का प्रयोग एवं महत्व, वनस्पति एवं वन्य जीव, भारत की जलवायु, भारत के आर्थिक संसाधन, यातायात, व्यापार एवं संचार।
   - उत्तर प्रदेश-भारत में स्थान, राजनीतिक विभाग, जलवायु, मृदा, वनस्पति एवं वन्यजीव, कृषि, खनिज उद्योग-धन्धे, जनसंख्या एवं नगरीकरण।
   - वायुमण्डल, जलमण्डल।
   - संसार के प्रमुख प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन।

- अपशिष्ट प्रबन्धन, आपदाएँ, पर्यावरणविद, पर्यावरण के क्षेत्र में पुरस्कार, पर्यावरण दिवस, पर्यावरण कैलेण्डर।

खण्ड 'ग'

6. गणित
   - प्राकृतिक संख्याएँ, पूर्ण संख्याएँ, परिमेय संख्याएँ।
   - पूर्णांक, कोष्ठक लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक।
   - वर्गमूल, घनमूल, सर्वसमिकाएँ।
   - बीजगणित, अवधारणा–घर संख्याएँ, अघर संख्याएँ, घर संख्याओं की घात।
   - बीजीय व्यंजकों का जोड़, घटाना, गुणा एवं भाग, बीजीय व्यंजकों के पद एवं पदों के गुणांक, सजातीय एवं विजातीय पद, व्यजको की डिग्री, एक, दो एवं त्रिपदीय व्यंजकों की अवधारणा।
   - युगपत समीकरण, वर्ग समीकरण, रेखीय समीकरण।
   - समान्तर रेखाएँ, चतुर्भुज की रचनाएँ, त्रिभुज।
   - वृत्त और चक्रीय चतुर्भुज, वृत्त की स्पर्श रेखाएँ।
   - अनुपात, समानुपात, प्रतिशतता, लाभ–हानि, साधारण ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज।
   - सांख्यिकी– आंकड़ों का वर्गीकरण, पिक्टोग्राफ, माध्य, माध्यिका एवं बहुलक, बारम्बारता।
   - पाई एवं दण्ड चार्ट, अवर्गीकृत आँकडों का चित्र।
   - सम्भावना (प्रायिकता) ग्राफ, दण्ड, आरेख तथा मिश्रित दण्ड आरेख।
   - कार्तीय तल, क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन), घातांक, त्रिकोणमिति।
7. विज्ञान
   - दैनिक जीवन में विज्ञान, महत्वपूर्ण खोज, महत्व, मानव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।
   - रेशे एवं वस्त्र, रेशों से वस्त्रों तक। (प्रक्रिया)
   - सजीव, निर्जीव पदार्थ– जीव जगत, सजीवों का वर्गीकरण, जन्तु एवं वनस्पति के आधार पर पौधो का वर्गीकरण एवं जन्तुओं का वर्गीकरण, जीवों में अनुकूलन, जन्तुओ एवं पौधो मे परिवर्तन।
   - जन्तु की संरचना व कार्य।
   - सूक्ष्म जीव एवं उनका वर्गीकरण।
   - कोशिका से अंगतन्त्र तक।
   - किशोरावस्था, विकालांगता।
   - भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं रोग, फसल उत्पादन, नाइट्रोजन चक्र।
   - जन्तुओं में पोषण, पौधो में पोषण, जनन, लाभदायक पौधे।
   - जीवो मे श्वसन, उत्सर्जन, लाभदायक जन्तु।
   - मापन, विद्युत धारा, चुम्बकत्व, गति, बल एवं यंत्र।
   - ऊर्जा, ध्वनि, स्थिर विद्युत, प्रकाश एवं प्रकाश यंत्र।
   - वायु– गुण, संघटन, आवश्यकता, उपयोगिता, ओजोन परत, हरित गृह प्रभाव।
   - जल– आवश्यकता, उपयोगिता, स्रोत, गुण, प्रदूषण, जल–संरक्षण।
   - पदार्थ, पदार्थों के समूह, पदार्थों का पृथक्करण, पदार्थ की संरचना एवं प्रकृति।

- अम्ल, क्षार, लवण।
- ऊष्मा एवं ताप।
- मानव निर्मित वस्तुएँ, प्लास्टिक, काँच, साबुन, मृतिका।
- खनिज एवं धातु, कार्बन एवं उसके यौगिक।
- ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत।
- आवर्त सारिणी, रक्त की संरचना, वर्ग एवं रक्त के आदान–प्रदान में सावधानियाँ।

8. शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन (प्रधानाध्यापक हेतु)

- विद्यालय प्रबन्धन का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व।
- विद्यालय प्रबन्धन के क्षेत्र।
- भौतिक संसाधनों का प्रबन्धन (विद्यालय भवन, फर्नीचर, शैक्षिक उपकरण, साज–सज्जा, पेयजल, शौचालय)।
- मानवीय संसाधनों का प्रबन्धन (शिक्षक, बच्चे, समुदाय–ग्राम शिक्षा समिति, विद्यालय प्रबन्धन समिति, शिक्षक अभिभावक संघ, मातृशिक्षक संघ, महिला प्रेरक दल)
- वित्तीय प्रबन्धन (विद्यालय अनुदान, टी0एल0एम0 ग्रान्ट, विद्यालय को समुदाय से प्राप्त धन, विद्यालय की सम्पत्ति से अर्जित धन, ग्राम पंचायत निधि से/जनप्रतिनिधियों से प्राप्त अनुदान)।
- शैक्षिक प्रबन्धन (कक्षा–कक्ष प्रबन्धन, शिक्षण अधिगम सामग्री प्रबन्धन, लर्निंग कॉर्नर एवं पुस्तकालय प्रबन्धन, ।
- समय प्रबन्धन : समय सारिणी का निर्माण व प्रयोग।
- विद्यालय प्रबन्धन में विभिन्न अभिकर्गियों की भूमिका।
- प्रारम्भिक शिक्षा के विकास में संलग्न विभिन्न अभिकरण एवं उनकी भूमिका।
- राष्ट्रीय/राज्य/जिला/स्थानीय स्तर पर कार्य करने वाले अभिकरण।
- प्राथमिक शिक्षा का आधारभूत ढाँचा।
- आपदा प्रबन्धन।

3– भर्ती परीक्षा आयोजित कराये जाने हेतु निम्नवत् समय–सारिणी निर्धारित की जाती है:–

क0 सं0	कार्यक्रम का विवरण	कार्य सम्पन्न करने के लिए अवधि का निर्धारण
1	विज्ञापन का प्रकाशन	दिनांक–18.02.2021
2	ऑनलाइन आवेदन के लिए रजिस्ट्रेशन की तिथि	दिनांक–22.02.2021 से प्रारम्भ
3	रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तिथि	दिनांक–08.03.2021
4	आवेदन शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि	दिनांक–09.03.2021
5	आवेदन पूर्ण करने एवं पूर्ण आवेदन का प्रिंट लेने की अन्तिम तिथि	दिनांक–10.03.2021
6	परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण हेतु जनपद के आवेदकों की संख्या की सूचना सहित	दिनांक–10.03.2021

	परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को प्रेषित करने की तिथि		
7	जनपद स्तर पर जनपदीय समिति द्वारा परीक्षा केन्द्र निर्धारित करने की तिथि	दिनांक–19.03.2021	
8	जनपदीय समिति द्वारा परीक्षा केन्द्र निर्धारित करके केन्द्रों की सूची छात्र आवंटन सहित (हार्ड एवं साफ्ट कॉपी दोनों) सचिव परीक्ष नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 प्रयागराज को उपलब्ध कराने की तिथि	दिनांक–21.03.2021	
9	केन्द्रों की सॉफ्ट कॉपी एन0आई0सी0 लखनऊ को प्रेषित करने की तिथि	दिनांक–23.03.2021	
10	एन0आई0सी0 लखनऊ द्वारा उपस्थिति पत्रक प्राप्त कराने की तिथि	दिनांक–01.04.2021	
11	अभ्यर्थियों के स्कैन किए हुए फोटो युक्त उपस्थिति पत्रक केन्द्र व्यवस्थापक को प्राप्त कराने की तिथि	दिनांक–04.04.2021	
12	प्रवेश पत्र Website पर load करने की तिथि एवं सामाचार पत्रों में load होने की सूचना की विज्ञप्ति	दिनांक–05.04.2021	
13	डबल lock में रखने हेतु प्रश्न पत्र एवं ओ0एम0आर0 शीट (उत्तर पुस्तिका) जनपद मुख्यालय पर भेजने की तिथि	दिनांक–09.04.2021	
14	परीक्षा की तिथि	दिनांक–11.04.2021	सहायक अध्यापक पद हेतु समय–9.00 से 11.30 बजे
			प्रधानाध्यापक पद हेतु प्रथम प्रश्न पत्र समय 01.00 से 03.30 बजे
			द्वितीय प्रश्न पत्र समय 04.30 से 05.30 बजे
15	परीक्षा समाप्ति के उपरान्त उत्तर पुस्तिकाओं/ओ0एम0आर0 शीट के सील्ड बंडल सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी के कार्यालय में प्राप्त कराने की अंतिम तिथि	दिनांक–13.04.2021 तक	
16	लिखित परीक्षा के उपरान्त उत्तर माला को Website पर जारी करने की तिथि	दिनांक–18.04.2021 अपराह्न	

R.N.V.-3 G.O.2021

17	वेबसाइट पर जारी उत्तरमाला पर ऑनलाइन आपत्ति प्राप्त करने की अन्तिम तिथि	दिनांक–20.04.2021
18	प्राप्त आपत्ति पर विषय–विशेषज्ञ की समिति गठित करके उसके निराकरण करने की तिथि	दिनांक–04.05.2021
19	आपत्ति पर विषय–विशेषज्ञ की समिति द्वारा दी गयी रिपोर्ट के अनुसार उत्तरमाला को अद्यतन करके उसे वेबसाइट पर डालने की तिथि	दिनांक–07.05.2021
20	विषय विशेषज्ञ की रिपोर्ट को सम्मिलित करते हुए संशोधित उत्तरमाला के अनुसार मूल्यांकन कराके परीक्षाफल घोषित करने की तिथि	दिनांक–11.05.2021

4– उक्त के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उपर्युक्त प्रदत्त निर्देशों के क्रम में प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक के रिक्त पदों पर चयन हेतु भर्ती परीक्षा आयोजित कराये जाने के सम्बन्ध में निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(आर0वी0 सिंह)